

2014

विधि (मुख्य विधि)

प्रश्न पत्र - I

LAW (Substantive Law)

Paper - I

निर्धारित समय : तीन घण्टे]

[पूर्णांक : 200

Time allowed : Three Hours]

[Maximum Marks : 200

नोट : अभ्यर्थियों को प्रश्न संख्या 1 एवं 2 करना अनिवार्य है तथा अन्य कोई चार प्रश्न हल करने हैं। कुल छः प्रश्न हल करने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं। एक प्रश्न के सभी भागों का उत्तर अनिवार्यतः एक साथ दिया जाय।

Note : Candidates should attempt Question Nos. 1 and 2 as compulsory and not more than four of the remaining ones. Total six questions are to be attempted. Marks carried by each question are indicated at its end. The parts of same question must be answered together.

1. (अ) “एक बार जो बंधक है वह हमेशा बंधक है।” इस कथन की विवेचना कीजिये। 15
(ब) विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 के अन्तर्गत किसी ऐसे व्यक्ति को क्या उपचार प्रदान किये गये हैं जिसको उसकी अचल सम्पत्ति से बेकब्जा कर दिया गया हो? वर्णन कीजिये। 10
(स) “स्वीकृति प्रस्ताव के लिए वही कार्य करती है जो एक बारूद से भरी हुई रेलगाड़ी के लिए जलती हुई माचिस की एक तिल्ली।” (प्रो. ऐन्सन) इस कथन को स्पष्ट करते हुए, स्वीकृति की परिभाषा तथा स्वीकृति का प्रस्ताव के साथ सम्बन्ध स्पष्ट कीजिये। 15
(a) “Once a mortgage is always a mortgage.” Discuss the statement.
(b) What remedies are available under Specific Relief Act, 1963 to a person who has been dispossessed from his immovable property? Illustrate.
(c) “Acceptance is to proposal what a lighted match-stick is to a train full of gun-powder.” (Prof. Anson) Explain the statement and mention the definition of acceptance and describe the relationship of acceptance with proposal.
2. (अ) “एक संविदा में पर-व्यक्ति को संविदा विधि कोई अधिकार प्रदान नहीं करती है।” कथन को स्पष्ट करते हुए, भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 में वर्णित अपवादों का उल्लेख कीजिये। 15
(ब) “एक अचल सम्पत्ति का पट्टा स्वतः ही समाप्त नहीं होता है।” अतः उन परिस्थितियों का वर्णन कीजिये जिनके कारण अचल सम्पत्ति का पट्टा समाप्त हो जाता है तथा पट्टे व अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) में भी अन्तर स्पष्ट कीजिये। <https://www.freshersnow.com/previous-year-question-papers/> 15
(स) “भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 ने पंजीकरण को अनिवार्य किये बिना ही बड़े प्रभावी ढंग से फर्म के पंजीकरण को अनिवार्य (सुनिश्चित) कर दिया है।” कथन की विवेचना कीजिये तथा फर्म के अपंजीकरण के प्रभाव बताइये। 10

- (a) "A stranger to a contract has no rights in the Law of Contract." Explaining the statement, mention its exceptions which have been given under Indian Contract Act, 1872.
- (b) "A lease of a immovable property does not come to end automatically." Explain those circumstances due to which lease of an immovable property comes to an end and also mention the difference between lease and license.
- (c) "Indian Partnership Act, 1932 has effectively ensured the registration of firm as compulsory without making it compulsory." Explaining the statement, mention the consequences of non-registration of a partnership firm.
3. (अ) सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 में वर्णित "निर्वाचन के सिद्धान्त" की व्याख्या कीजिये । 10
- (ब) हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 में वर्णित स्थायी निर्वाहिका व भरण-पोषण से सम्बन्धित विधि की व्याख्या कीजिये तथा निर्णित वादों का भी उल्लेख कीजिये । 10
- (स) "नैराश्यता" (संविदा पालन की असंभवता) के सिद्धान्त की परिभाषा देते हुए, इसके अपवादों का भी उल्लेख कीजिये । 10
- (a) Explain the "Doctrine of Election", mentioned under Transfer of Property Act, 1882.
- (b) Discuss the law relating to Permanent Alimony and Maintenance as has been provided under Hindu Marriage Act, 1955 and also mention the decided cases relating to the same.
- (c) Defining the "Doctrine of Frustration of Contract", mention its exceptions too.
4. (अ) भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 में वर्णित अविधिपूर्ण उद्देश्यों व प्रतिफल का उल्लेख कीजिये । 10
- (ब) मोचन के अधिकार से सम्बन्धित विधि जो सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 में वर्णित है, का उल्लेख कीजिये तथा सम्बन्धित वादों को भी उल्लेखित कीजिये । 10
- (स) "लाभों का बँटवारा भागेदारी का प्रथमदृष्टया साक्ष्य है किन्तु निश्चयात्मक सबूत नहीं ।" कथन की व्याख्या करते हुए इसके अपवादों का उल्लेख कीजिये तथा सम्बन्धित वादों का भी वर्णन कीजिये । 10
- (a) Explain the unlawful consideration and objects which have been given under the Indian Contract Act, 1872.
- (b) Explain the law relating to right of redemption as has been provided under Transfer of Property Act, 1882 and also mention the relevant case laws relating to it.
- (c) "Sharing of profit is a prima-facie evidence of the existence of a partnership but not as a conclusive evidence." Explaining the statement, mention its exceptions and the relevant case laws too.

5. (अ) “न्यासी एक अभिकर्ता, स्वामी, निर्देशक, नियोक्ता व अमानती की तरह होता है। अतः उसके विभिन्न अधिकार व कर्तव्य होते हैं।” कथन की व्याख्या कीजिये। 10
- (ब) दुष्कृति विधि में वे कौन-कौन से व्यक्ति हैं जिनसे अत्यधिक सावधानी प्रयोग की अपेक्षा की जाती है तथा थोड़ी सावधानी प्रयोग करने पर भी उन्हें उपेक्षा के लिए उत्तरदायी किया जाता है? उल्लेख कीजिये। 10
- (स) “धारा-74 भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 ने अंग्रेजी विधि की संविदा भंग पर क्षति प्रदान करने में सबसे अधिक तंग करने वाली गांठ को काट दिया है।” (न्यायाधीश शाह) सेठ फतेहचन्द बनाम बाल किशन दास 1963 सु.को.।
इस कथन को स्पष्ट करते हुए संविदा अधिनियम की धारा-73 व 74 में अन्तर स्पष्ट कीजिये। 10
- (a) “Trustee is like an Agent, Principal, Owner, Director and a Bailee. Hence, he enjoys variety of rights and duties.” Explain the statement.
- (b) Who are those persons under the law of torts who are required to profess to have greater skill and care and for exercising ordinary care, they are made responsible for negligence? Illustrate.
- (c) “Section 74 of Indian Contract Act, 1872 has cut-down the most troublesome knot of common law doctrine of awarding damages for breach of a contract.” (Justice Shah) in Seth Fateh Chand V/s Balkishan Das 1963 S.C.
Explaining the statement, mention the difference between Section-73 and 74 of the Contract Act.
6. (अ) विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 के अन्तर्गत विलेखों व दस्तावेजों में त्रुटि या भूल सुधार से सम्बन्धित विधि की उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिये। 10
- (ब) न्यासी की अयोग्यताओं से सम्बन्धित विधि की उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिये जो भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 में वर्णित है। 10
- (स) “मुस्लिम विधि में एक मुस्लिम महिला को विवाह-विच्छेद के बारे में शून्य प्रतिशत के बराबर अधिकार प्राप्त है।” कथन को स्पष्ट करते हुए इसके अपवादों का उल्लेख कीजिये। 10
- (a) Critically examine the law relating to rectification of instruments and documents as has been provided under Specific Relief Act, 1963. Give examples too.
- (b) Discuss the law relating to disabilities of a trustee as has been provided under Indian Trust Act, 1882. Give examples.
- (c) “Under Muslim law, a Muslim woman enjoys equal to zero percent of rights in the matter of dissolution of marriage.” Explaining the statement, mention, its exceptions.
7. (अ) हकशुफा या पूर्वक्रयाधिकार के प्रयोग के लिए उल्लेखित आवश्यक शर्तों व इसके अपवादों का भी वर्णन कीजिये। 10
- (ब) “मुस्लिम विधि के गौण स्रोत भी वर्तमान समय में मुस्लिम विधि के स्रोतों में एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर चुके हैं।” कथन की व्याख्या करते हुए, उन स्रोतों का उल्लेख भी कीजिये। 10
- (स) भारतीय सुखाचार अधिनियम, 1882 में वर्णित आवश्यकता के सुखाचार और सुखाचार के सदृश अधिकार सम्बन्धित विधि की व्याख्या कीजिये। 10

- (a) What are the required conditions for exercising a right of pre-emption ? Mention its exceptions too.
- (b) "In the present times formal sources under Muslim law have received an important place as a sources of Muslim law." Explaining the statement, mention those sources too.
- (c) Explain the law relating to easement of necessity and quasi-easement, as has been provided under Indian Easement Act, 1882.
8. (अ) साम्या को परिभाषित करते हुए इस कथन को स्पष्ट कीजिये कि "साम्या विधि का अनुसरण करती है" । 10
- (ब) दुष्कृति विधि में "प्रतिनिधिक दायित्व" के सिद्धान्त की व्याख्या करते हुए इसके अपवादों का भी उल्लेख कीजिये । 10
- (स) न्यास की समाप्ति से सम्बन्धित विधि जो भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 में वर्णित है की विवेचना कीजिये । 10
- (a) Define Equity and explain the statement that "equity follows the law".
- (b) Explaining the principle of "Vicarious liability", which has been provided in the Law of Torts, mention its exceptions too.
- (c) Explain the law relating to extinction of a trust as has been provided under Indian Trust Act, 1882.
9. (अ) मुस्लिम विधि में वर्णित "बातिल" व "फासिद" विवाहों का वर्णन करते हुए, उनमें अन्तर स्पष्ट कीजिये । 10
- (ब) "एक प्रतिभू एक अनुगृहीत ऋणदाता के समान होता है ।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? अपने उत्तर को उदाहरणों व तर्कों से स्पष्ट कीजिये । 10
- (स) हिन्दू विधि में वर्णित शून्य व शून्यकरणीय विवाहों में अन्तर कीजिये । 10
- (a) Explain the difference between "Batil" and "Fasid" forms of marriage provided under Muslim law and also define these.
- (b) "A surety is like a favoured creditor." Do you agree with the statement ? Explain your answer with examples and arguments.
- (c) Mention the difference between the "Void" and "Voidable" marriages provided under Hindu Law.
10. (अ) एक मान्य दत्तक हेतु आवश्यक शर्तों का उल्लेख कीजिये जो कि हिन्दू दत्तक व भरण-पोषण अधिनियम 1956 में वर्णित हैं । 10
- (ब) हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत एक हिन्दू स्त्री के उत्तराधिकार से सम्बन्धित नियमों का उल्लेख कीजिये । 10
- (स) एक हिन्दू पत्नी की, भरण-पोषण से सम्बन्धित विधि जो हिन्दू दत्तक व भरण-पोषण अधिनियम, 1956 में वर्णित है, को सम्बन्धित वादों से स्पष्ट करते हुए उल्लेख कीजिये । 10
- (a) What are the essential conditions for a valid adoption as has been provided under Hindu Adoption and Maintenance Act, 1956 ?
- (b) Explain the rules relating to succession of a female Hindu as has been provided under Hindu Succession Act, 1956.
- (c) Explain the law relating to maintenance of a Hindu wife as has been provided under Hindu Adoption and Maintenance Act, 1956. Mention relevant case law too.